एक नजर में

कस्टम ज्वेलरी निर्माण विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

शाजापुर . बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर द्वारा कालापीपल ग्राम में 2 जून से 15 जून तक कस्टम ज्वेलरी निर्माण विषय पर पूर्णत : नि :शुल्क एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया गया . जिसका समापन कार्यक्रम 15 जून को आरसेटी शाजापुर में किया गया . समापन कार्यक्रम में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती अंकिता पाटकर की उपस्थिति में किया गया . सुश्री मनीषा वास्कले द्वारा महिलाओं को अपने कार्य शुरू करके मार्केटिंग स्किल का विकास करने के लिए प्रेरित किया गया एवं श्रीमती अंकिता पाटकर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अपने उत्पाद को साप्ताहिक लगने वाले हाट बाजार में विक्रय कर अपनी आजीविका शुरू करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया . संस्थान परिसर में अतिथियों के द्वारा पौधारोपण भी किया गया . इस अवसर पर मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिपं शाजापुर से जिला प्रबंधक कौशल उन्नयन एवं रोजगार बलवंत शितौले, एसेसर रामनारायण उपाध्याय, श्रीमती संगीता राठौर, आरसेटी निदेशक सत्यवीर सिंह चौहान आदि मौजूद थे .

10 हजार के इनामी एनडीपीएस आरोपी को किया गिरफ्तार

आगर मालवा . जिले में फरार एवं इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक आगर मालवा दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी आगर मोतीलाल कुशवाहा के निर्देशन में लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है . इसी क्रम में थाना बड़ौद पुलिस को एनडीपीएस एक्ट के गंभीर प्रकरण में फरार चल रहे 10,000 के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है . जानकारी के अनुसार 3 सितंबर 2025 को थाना बड़ौद पुलिस द्वारा एक ट्रक से कुल 253 .220 किलोग्राम अवैध गांजा जप्त किया गया था . उक्त प्रकरण में अवैध मादक पदार्थ के परिवहन एवं तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की भूमिका सामने आने पर विवेचना के दौरान आरोपी ईश्वरसिंह पिता भारतसिंह सौंधिया निवासी मदकोटा थाना बड़ौद जिला आगर मालवा की संलिप्तता पाई गई जो घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था .इसके बाद इसी दौरान आरोपी के मंदसौर जिले के ग्राम आम्बा भरपुर थाना सुवासरा क्षेत्र में होने की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई . जहां पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की .

कार्रवाई में पुलिस की दिखी सक्रियता

कार्रवाई में थाना प्रभारी बड़ौद निरीक्षक रूपसिंह बैस, उप निरीक्षक विजयकुमार शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक रामप्रकाश पुष्पद, प्रधान आरक्षक प्रवीण यादव, प्रधान आरक्षक हेमंत सिसोदिया, प्रधान आरक्षक उपेन्द्रसिंह, प्रधान आरक्षक रामसेवक मीणा, प्रधान आरक्षक अर्जुन बागड़ी, आरक्षक पोपसिंह, आरक्षक श्रीपालसिंह देवड़ा, आरक्षक गोवर्धन दांगी तथा पुलिस चौकी रुनीजा थाना सुवासरा के उप निरीक्षक भरत कटारा और आरक्षक पवन चौहान की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही .

शासकीय छात्रावास में खाना बनाते समय फटा कूकर

शाजापुर . नगर के पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में खाना बनाते समय गैस पर चढ़ाया प्रेशर कुकर तेज धमाके के साथ फट गया . कुकर का ढक्कन उड़कर लेडी कुक की छाती में लगा जिससे महिला घायल हो गई . हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुआ जिसका वीडियो फुटेज भी सामने आया है . कीचन में लगे कैमरे में यह घटना कैदहो गईए जिसमें दिखाई दे रहा है कि हॉस्टल की महिला कर्मचारी रामकन्या बाई गैस चूल्हे पर छात्रों के लिए खाना बना रही थी . उसने एक गैस बर्नर पर कड़ाही रखी, फिर दूसरे बर्नर पर रखे कुकर को छुआ, तभी कुकर में तेज धमाका हो गया . जलने के बाद उसने तुरंत पास रखा पानी अपने शरीर पर डाला . कुकर फटने की आवाज सुनकर एक छात्र दौड़कर कमरे में आया और गैस बंद की . हालांकि महिला को ज्यादा चोंट नहीं आई और डॉक्टरों के अनुसार महिला खतरे से बाहर है . रामकन्या बाई ने बताया कि वह खाने के लिए दाल चावल और रोटी बना रही थी, दाल पकाते समय कुकर फट गया, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है .

कैन में डीजल देने की दी जाए छूट, न बने विवाद की स्थिति

शाजापुर . जिले में खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों को डीजल मिलने में हो रही दिक्कतों को लेकर शाजापुर पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने ज्ञापन सौंपा है . सोमवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे . उन्होंने केन और कुप्पी में डीजल देने की मंजूरी मांगी गई है . एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम गिरी ने बताया कि मौजूदा सरकारी नियमों के अनुसार पेट्रोल पंपों से खुले में यानी केन, ड्रम या कुप्पी में डीजल देने पर पूरी तरह रोक है . इस नियम की वजह से खेतों में काम करने वाले किसानों और पेट्रोल पंप मालिकों दोनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है . अनेक किसान अपने खेतों में इस्तेमाल होने वाले अलग अलग कृषि यंत्रों और मशीनों के लिए डीजल लेने पंपों पर आते हैं, लेकिन नियमों की मजबूरी के कारण पंप संचालक उन्हें ईंधन नहीं दे पाते . इस वजह से आए दिन पेट्रोल पंपों पर किसानों और स्टाफ के बीच बहस और विवाद के हालात बन रहे हैं . ज्ञापन में मांग की गई कि जिले के खेतों में बखरनी और बोवनी का काम शुरू हो चुका है . खेती किसानी के लिहाज से यह साल का सबसे महत्वपूर्ण समय है, इसलिए किसानों को बिना किसी रुकावट के समय पर डीजल मिलना बेहद जरूरी है . एसोसिएशन ने कलेक्टर से मांग की है कि जिले के अन्नदाताओं को राहत देने के लिए इस बोवनी के सीजन में अस्थायी तौर पर केन में डीजल देने की छूट दी जाए .

तहसीलदार हटाओ, जनता और किसान को राहत दिलाओ

वकील और आम लोगों ने शुरू की मुहिम, नामांतरण, बंटाकन से लेकर अन्य काम हो रहे प्रभावित

शाजापुर . हर फाइल निरस्त हो रही है, चाहे नामांतरण की हो, बटांकन की हो, सीमांकन की हो या राजस्व से संबंधित कोई भी फाइल हो. लगता है शाजापुर तहसीलदार यहां काम करने नहीं, जनता और किसानों को परेशान करने आए हैं. यही कारण है कि अब शहर के व्यापारी, वकील और आम लोगों ने शाजापुर तहसीलदार को हटाने की मुहिम शुरू की है. शाजापुर तहसीलदार की कार्यप्रणाली से आम जनता सीधे प्रदेश सरकार को कोसते हुए तहसील कार्यालय से बाहर निकलती है. अब विधायक और सांसद को चाहिए कि ऐसे अधिकारी को तत्काल हटाया जाए, जिसका सीधा प्रभाव उनके वोट बैंक पर पड़ रहा हो.

गौरतलब है कि शाजापुर तहसीलदार न्यायालय स्थगन के दम पर अपनी मनमानी करने में लगे हुए हैं. जबकि इनका स्थगन अजर-अमर नहीं है, लेकिन अभी तक किसी ने भी इनके स्थगन पर गौर नहीं किया. लेकिन जनता के राजस्व के काम प्रभावित हो रहे हैं. नामांतरण, फौती नामांतरण, बंटवारा, इंद्राज दुरुस्ती, सीमांकन, भूमि अभिलेख सुधार सहित लगभग 200 राजस्व प्रकरण निरस्त किए गए हैं. निरस्ती का न कोई कारण बताते हैं. पटवारी रिपोर्ट के बाद भी शाजापुर तहसीलदार अपनी कुर्सी की अकड़ में जनता के कामों में अड़ंगा डाल रहे हैं.

तहसील कार्यालय के विरोध में आज ज्ञापन देंगे

कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को किसान संगठन, भू-स्वामी, अधिवक्ता, सर्विस प्रोवाईडर आदि मिलकर तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली के विरोध में ज्ञापन सौंपेंगे. पीड़ितों ने बताया कि तहसील शाजापुर में पिछले लगभग 8 महीनों के दौरान नामांतरण, फौती नामांतरण, बंटवारा, इंद्राज दुरुस्ती, सीमांकन, भूमि अभिलेख सुधार सहित लगभग 200 राजस्व प्रकरण निरस्त किए गए हैं. जिसके विरोध में पीड़ित नागरिकों, किसान संगठनों, भू-स्वामियों, अधिवक्ताओं, सर्विस प्रोवाइडरों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा इन प्रकरणों की निष्पक्ष जांच, निरस्त आदेशों की समीक्षा तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की जाएगी. ज्ञापन में रजिस्ट्री के बाद नामांतरण प्रक्रिया में आम जनता को होने वाली परेशानियों एवं राजस्व कार्यों में आ रही बाधाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया जाएगा.

विधायक-सांसद पर भारी दिख रहे शाजापुर तहसीलदार

कहने को लोकतंत्र में विधायक और सांसद सबसे पॉवरफुल माने जाते हैं, लेकिन शाजापुर में सबसे पॉवरफुल शाजापुर तहसीलदार लग रहे हैं . क्योंकि जनता, किसान के कोई भी काम शाजापुर तहसीलदार नहीं करते हैं . अपनी मर्जी से उन्हें जो उचित लगता है, वो करते हैं, बाकी प्रकरण निरस्त कर देते हैं . ऐसा लगता है कि विधायक और सांसद से भी बड़े हो चुके हैं शाजापुर तहसीलदार . अब देखना है कि तहसीलदार को कब इस जिले से मुक्ति मिलती है और जनता को राहत मिलती है .

एसडीएम कोर्ट में लगा फाइलों का अंबार

बिना कारण, बेवजह अधिकारी के रूप में अपनी अकड़ बताने के लिए शाजापुर तहसीलदार द्वारा जो प्रकरण जनता के निरस्त किए जा रहे हैं .उसे लेकर लोग एसडीएम न्यायालय में अपील करते हैं . एसडीएम न्यायालय में तहसीलदार द्वारा निरस्त की गई फाइलों का अम्बार लग चुका है . आखिर जनता को परेशान करने वाला यह अधिकारी कुर्सी पर कैसे जमा हुआ है .

जनकल्याण शिविरों में अनिवार्य रूप से मौजूद रहें अधिकारी : कलेक्टर

शाजापुर. कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक हुई. कलेक्टर बाफना ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को विकासखण्ड मुख्यालयों में 12 जून से 18 जून की अवधि में आयोजित किए जा रहे जनकल्याण शिविरों में उपस्थित रहने तथा विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को रूफ हार्वेस्टिंग सिस्टम के लक्ष्यों की पूर्ति करने, जलकर, संपत्ति कर सहित अन्य करों की वसूली में तेजी लाने, वर्षा के पूर्व नदी-नालों की साफ-सफाई कराने, जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए.

संशोधित प्रक्रिया एवं समय सारणी जारी

शाजापुर, 15 जून. नगरपालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारी के लिए संशोधित प्रक्रिया एवं समय सारणी जारी की गई है. निर्धारित समय सारणी के द्वितीय चरण में आयोग द्वारा 25 जून को अपरान्ह 3 बजे तक दावे-आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे एवं दावा आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि 2 जुलाई तक है. इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक वर्मा द्वारा अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नपा शाजापुर एवं शुजालपुर अनुभाग व रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार व नायब तहसीलदार नगर परिषद मक्सी, अकोदिया, पोलायकलां एवं कालापीपल को उत्तरदायित्व सौंपे हैं.

न खाता, न बही, तहसीलदार जो कह दें, वो ही सही...

न खाता, न बही, तहसीलदार जो कह दे, वो ही सही... परम प्रतापी शाजापुर तहसीलदार उन शूरवीर अधिकारियों में हैं, जो जनता के दुख-दर्द को कुर्सी के नीचे रखते हैं. शाजापुर तहसीलदार ने अपनी कलम की स्याही से पूरे राजस्व विभाग को हिला रखा है. यह लापरवाही का अनूठा समर्पण शाजापुर तहसील में जनता की चीख-पुकार से समझ सकते हैं. यूं तो सरकारी दफ्तरों में फाइलें बरसों धूल खाती हैं, लेकिन शाजापुर तहसीलदार साहब डिजिटल इंडिया की रफ्तार से चार कदम आगे निकल चुके हैं. न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी की तर्ज पर चंद महीने में ही 200 से अधिक राजस्व प्रकरणों को सीधे निरस्त कर दिया. न केस रहेगा, न सुनवाई का झंझट. इसे कहते हैं काम का बोझ पलक झपकते ही खत्म करना. किसान, आम जनता अपनी जमीन और हक के कागज लेकर भटक रहे हैं, लेकिन तहसीलदार का मानना है कि परेशानी इंसान को मजबूत बनाती है, इसलिए वो जनता को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं. लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है और जिसके वोट से नेता पॉवर में होते हैं. उसके बाद अधिकारी को सबसे पॉवरफुल माना जाता है. यदि आपको पॉवर देखना है, तो शाजापुर तहसील आएं. ज्ञान चक्षु खुले रह जाएंगे, क्योंकि यहां मोहन सरकार का न आदेश चलता है, न विधायक का फरमान. न कलेक्टर के निर्देश, न एसडीएम का हुकुम. तहसील में चलता है तहसीलदार का हुकुम-ए-फरमान. इसलिए कह सकते हैं कि न खाता न बही, शाजापुर के तहसीलदार जो कर दे वो ही सही.

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

लोकतंत्र के सारे नियम कायदे शाजापुर तहसील की चौखट पर आकर दम तोड़ देते हैं. बड़े अधिकारियों का आदेश आए या माननीयों की सिफारिश. तहसीलदार स्थगन आदेश के कागज पर ऐसे चिपके हैं कि वे किसी की नहीं सुनते हैं. फाइलें रिजेक्ट करने में वे कीर्तिमान बना चुके हैं.

शाजापुर की कुंडली में तहसीलदार दोष

ज्योतिष शास्त्र के प्रकांड पंडितों ने वैसे कालसर्प दोष, मांगलिक दोष, पितृदोष जैसे खतरनाक दोषों की खोज की है, लेकिन बदलते इस युग में शाजापुर की कुंडली में एक बिल्कुल दुर्लभ और अत्यंत प्रभावशाली दोष प्रकट हुआ है तहसीलदार दोष. राजस्व की कुंडली में इन दिनों तहसीलदार दोष चरम पर है. जिसके प्रभाव के कारण आम जनता, किसान कितना भी यज्ञ, हवन कर ले, लेकिन शाजापुर से तहसील दोष हटने का नाम नहीं ले रहा है. नेताओं का ग्रह चक्र कमजोर होने के कारण तहसील दोष बलवान है.

किसान का मानसून और तहसीलदार साहब के मूड का मानसून

बिचारा किसान आसमान में बादल देखकर मानसून का अंदाजा लगाता है, लेकिन तहसील कार्यालय के अंदर तहसीलदार साहब के मूड का मानसून उसकी उम्मीदों पर पानी फेर देता है. बटांकन की मार, सीमांकन की मार, नामांतरण की इतनी मार झेलकर आम आदमी कागज ठीक कराने जब तहसील कार्यालय पहुंचता है, तो उसे मिलती है तहसीलदार साहब की कलम की धार की मार. तहसीलदार साहब की गलती नहीं है, क्योंकि भारत सरकार आत्मनिर्भर बनने पर जो दे रही है. इसलिए तहसीलदार आम जनता को आत्मनिर्भर बना रहे हैं कि अपनी जमीन की उलझनों का खुद सुलझाओ, मेरे पास निरस्त करने के अलावा और ज्यादा वक्त नहीं है.

अंत में...

राहू बिगाड़े एक घर, केतु करे सब नाश, शाजापुर तहसील में बैठे तहसीलदार सीधा करते हैं खल्लास.

हाईवे की गहरी दरार में फंसी बाइक, दंपती घायल

आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर फिर गंभीर हादसा, टोल वसूली जारी, सुरक्षा इंतजाम नदारद

शुजालपुर, 15 जून. शुजालपुर-आष्टा नेशनल हाईवे क्रमांक 752सी पर ग्राम अमलाय पत्थर स्थित अजमेरा फ्लोर मिल के पास रविवार शाम करीब 6 बजे सड़क हादसे में दंपती घायल हो गए.

ग्राम निपानियाकला निवासी संतोष खाती अपनी पत्नी अनीता खाती के साथ शुजालपुर से उपचार कराकर बाइक से घर लौट रहे थे. इसी दौरान सड़क के बीच बनी गहरी दरार में बाइक का अगला पहिया फंस गया, जिससे संतुलन बिगड़ने पर दोनों सड़क पर गिर पड़े. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उसी समय पीछे से एक ट्रैक्टर आ रहा था. चालक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत ब्रेक लगाए और वाहन को सड़क से नीचे मोड़ दिया, इसके चलते ट्रेक्टर-ट्राली सड़क से नीचे उतर गई और बड़ा हादसा टल गया.

कई बार हो चुके हादसे, फिर भी नहीं सुधरी सड़क

स्थानीय लोगों का कहना है कि नेशनल हाईवे 752सी पर कई स्थानों पर सड़क के बीच गहरी दरारें और क्षतिग्रस्त हिस्से मौजूद हैं. अमलाय पत्थर क्षेत्र में भी लंबे समय से सड़क की हालत खराब बनी हुई है, जिसके कारण कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो चुके हैं. नेशनल हाईवे निर्माण एजेंसी रखरखाव के नाम पर खाना पूर्ति करती है, क्षेत्र से गुजरने वाले इस प्रमुख हाइवे पर शहरी क्षेत्र में ही सड़क पर दरारे होने के साथ इस तरह की स्थिति फ्रीगंज से लेकर तिलावद मैना तक है, यह हाइवे हादसों का हाइवे बनता जा रहा है. क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर प्रतिदिन लाखों रुपये का टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन राहगीरों की सुरक्षा और सड़क की मरम्मत पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा. कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है. लोगों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कर दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की.

कस्टम ज्वेलरी निर्माण विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

शाजापुर . बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर द्वारा कालापीपल ग्राम में 2 जून से 15 जून तक कस्टम ज्वेलरी निर्माण विषय पर पूर्णत: नि:शुल्क एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया गया. जिसका समापन कार्यक्रम 15 जून को आरसेटी शाजापुर में किया गया. समापन कार्यक्रम में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती अंकिता पाटकर की उपस्थिति में किया गया. मनीषा वास्कले द्वारा महिलाओं को अपने कार्य शुरू करके मार्केटिंग स्किल का विकास करने के लिए प्रेरित किया गया और अंकिता पाटकर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अपने उत्पाद को साप्ताहिक लगने वाले हाट बाजार में विक्रय कर अपनी आजीविका शुरू करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया. संस्थान परिसर में अतिथियों के द्वारा पौधारोपण भी किया गया.

मास्टर ट्रेनरों को दिया शाला पूर्व शिक्षा का प्रशिक्षण

शाजापुर . कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत शाजापुर डाइट में शाला पूर्व शिक्षा से जुड़े आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं सीडीपीओ मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया. प्रशिक्षण में शिक्षा विभाग से प्रत्येक विकासखंड के एक-एक मास्टर ट्रेनर ने भी सहभागिता की. इस दौरान प्री-प्राइमरी शिक्षा एवं एफएलएन के लक्ष्यों पर चर्चा की गई तथा शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) के प्रभावी उपयोग एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियों की जानकारी प्रदान की गई. प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में चिन्हित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे शाला पूर्व शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके. प्रशिक्षण के दौरान प्राचार्य डाइट अनिता श्रीवास्तव, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री नीलम चौहान तथा जिला एफएलएन समन्वयक महेश भैसानिया द्वारा एफएलएन एवं ईसीसीई के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित अपेक्षाओं को साझा करते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया गया.

47 स्थायी वारंटी गिरफ्तार, 177 बदमाशों की चेकिंग

शाजापुर . पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के नेतृत्व में 14-15 जून की मध्यरात्रि को जिलेभर में व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान संचालित किया गया. अभियान में जिले के सभी अधिकारियों एवं थाना स्तर के पुलिस बल ने सक्रिय सहभागिता निभाई.

गश्त के लिए रवाना करने से पूर्व पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं ब्रीफिंग प्रदान की गई. साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं विभिन्न थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर पूरी रात अभियान की निगरानी की. अभियान के दौरान जो कार्यवाहियां की गई, उनमें 47 स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी, 78 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए, 12 जिला बदर अपराधियों की जांच एवं सत्यापन, 73 गुंडा बदमाशों एवं 104 निगरानीशुदा बदमाशों की चेकिंग, 10000 रुपए का ईनामी वारंटी भी गिरफ्तार, आबकारी एक्ट के तहत 05 प्रकरण दर्ज किए गए, 35 होटल, लॉज, ढाबों एवं धर्मशालाओं की सघन जांच की गई एवं बैंक, एटीएम एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी रखी गई.

...तो की जाएगी कठोर कार्रवाई

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने सक्रिय अपराधियों, जेल से रिहा हुए बदमाशों तथा संदिग्ध व्यक्तियों के निवास एवं संभावित ठिकानों पर पहुंचकर उनकी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की . साथ ही उन्हें स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी . अभियान के अंतर्गत गुंडा एवं हिस्ट्रीशीटर बदमाशों के रिकॉर्ड का अद्यतन कर उनकी सतत निगरानी सुनिश्चित की गई, जिससे अपराधों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में और अधिक प्रभावशीलता लाई जा सके .

इनका कहना है...

शाजापुर पुलिस जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है. अपराधियों पर सतत निगरानी एवं उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. जिले में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु इस प्रकार के विशेष अभियान निरंतर जारी रहेंगे.

- यशपाल सिंह राजपूत, एसपी-शाजापुर

एक नजर में

रेल और सड़क यातायात हुआ प्रभावित, एक सांड की मौत, दो घायल

लड़ते हुए रेलवे ट्रैक पर आए सांड, वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आए

शुजालपुर . शहर के रेलवे अंडरब्रिज क्षेत्र में सोमवार सुबह एक बार फिर रेलवे ट्रैक पर गोवंश पहुंचने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया.

इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 20911 के सामने अचानक तीन सांड लड़ते हुए रेलवे पटरी पर आ गए. ट्रेन के लोको पायलट ने हार्न लगातार बजाते हुए तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन की गति नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन दो सांड ट्रेन की चपेट में आ गया, जिसमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य सांड घायल हो गए. एक घायल सांड ट्रेक पर ही फंस गया था, लोको पायलेट ने धीमी गति से ट्रेन को निकाला. घटना सुबह लगभग 8 बजे शुजालपुर रेलवे स्टेशन के समीप अंडरब्रिज क्षेत्र में हुई, हादसे के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 10 मिनट तक ट्रैक पर खड़ी रही. रेलवे कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और ट्रैक को सुरक्षित किए जाने के बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया.

बाउंड्री के बावजूद नहीं रुक रहे हादसे

रेलवे द्वारा ट्रैक के किनारे कई स्थानों पर मेटल फेंसिंग और सुरक्षा बाउंड्री बनाई गई है, लेकिन इसके बावजूद गोवंश ट्रैक तक पहुंच रहा है. विशेष रूप से अंडरब्रिज और खुले हिस्सों के आसपास यह समस्या अधिक देखने को मिल रही है. रेलवे अधिकारियों के अनुसार गोवंश को ट्रैक से दूर रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर विचार किया जा रहा है. क्षेत्रवासियों ने रेलवे और प्रशासन से मांग की है कि ट्रैक के आसपास घूम रहे आवारा गोवंश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में मजबूत फेंसिंग और निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

एक सप्ताह में दूसरी घटना, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

जानकारी के अनुसार पिछले एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है, जब गोवंश के रेलवे ट्रैक पर पहुंचने से यात्री ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है . लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं . स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आवारा गोवंश खुले में घूम रहा है, जो अक्सर रेलवे ट्रैक तक पहुंच जाता है .

सोमवती अमावस्या पर किया भोजन वितरण

आगर मालवा . प्रत्येक माह की अमावस्या की परंपरा के अनुसार इस माह की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर स्व.हरिशंकर एवं स्व.रघुवीर दयाल बंसल नलखेड़ा की पुण्य स्मृति में महावीर सेवा समिति द्वारा सोमवती अमावस्या के अवसर पर जिला अस्पताल, निशक्तजनों, वृद्धाश्रम, असहाय एवं गरीब बस्तियों में जाकर भोजन बेसन बर्फी, सेव सब्जी, पुड़ी बिस्कुट, दूध का वितरण किया गया. साथ ही गौमाता को रोटी, गुड़, चापड़, खल एवं दलिया खिलाया गया तथा श्वानों को रोटी एवं दूध प्रदान किया गया. इस पुण्य कार्य के लाभार्थी अमित बंसल नलखेड़ा, आशीष बंसल नलखेड़ा वाले रहे सभी सहयोगी का महावीर सेवा समिति की आभार व्यक्त करती है.